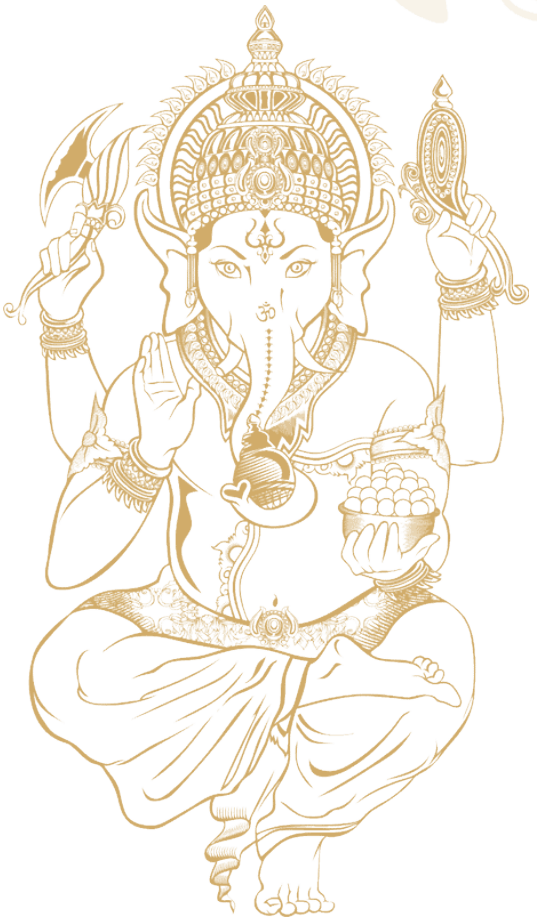

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121588803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/10/2004	जन्म तिथि	14/08/2005
सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 18:05:00	जन्म समय	07:15:00 घंटे
घटी 28:55:19	जन्म समय(घटी)	03:27:58 घटी
India	देश	India
Udhampur	स्थान	Jammu
32:56:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
75:08:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:28	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:52	सूर्योदय	05:53:14
18:01:02	सूर्यास्त	19:16:33
23:55:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 6वर्ष 5मा 2दि		27:28:27	मीन	लग्न		सिंह	13:43:24	शनि 10वर्ष 3मा 20दि	
चन्द्र		24:36:41	कन्या	सूर्य		कर्क	27:26:59	बुध	
15/03/2017		22:23:01	सिंह	चंद्र		वृश्चि	09:26:03	04/12/2015	
16/03/2027		15:53:41	कन्या	मंगल		मेष	15:15:44	03/12/2032	
चन्द्र	14/01/2018	28:46:26	कन्या	बुध	व	कर्क	15:04:18	बुध	02/05/2018
मंगल	15/08/2018	09:35:55	कन्या	गुरु		कन्या	21:23:34	केतु	29/04/2019
राहु	14/02/2020	15:11:44	सिंह	शुक्र		कन्या	02:26:09	शुक्र	27/02/2022
गुरु	15/06/2021	02:42:45	कर्क	शनि		कर्क	09:43:37	सूर्य	03/01/2023
शनि	14/01/2023	08:15:15	मेष	राहु	व	मीन	21:11:11	चन्द्र	04/06/2024
बुध	14/06/2024	08:15:15	तुला	केतु	व	कन्या	21:11:11	मंगल	01/06/2025
केतु	13/01/2025	09:20:47	कुंभ	हर्ष	व	कुंभ	15:33:12	राहु	19/12/2027
शुक्र	14/09/2026	18:43:55	मक	नेप	व	मक	22:07:20	गुरु	26/03/2030
सूर्य	16/03/2027	26:05:13	वृश्चि	प्लूटो	व	वृश्चि	27:59:15	शनि	03/12/2032

लग्न-चलित

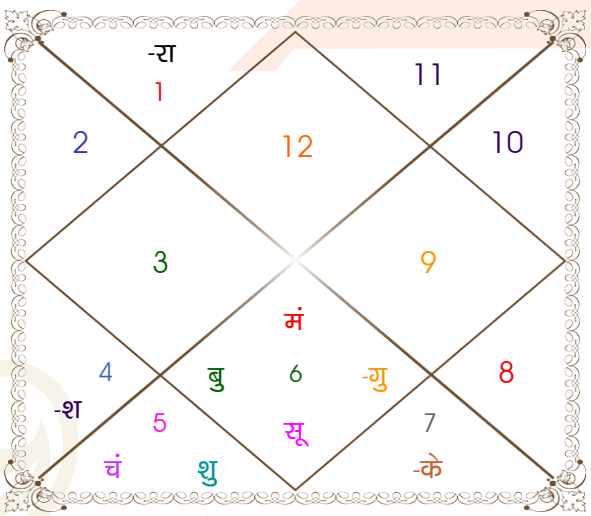

लग्न-चलित

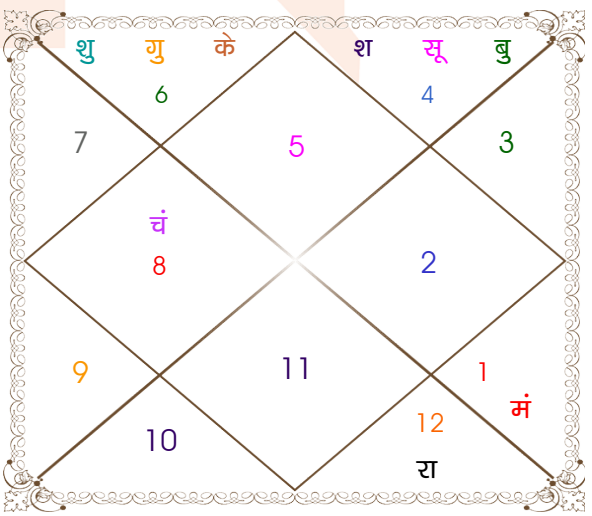

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।